. HINDI (हिन्दी)

खण्ड – अ : हिन्दी शोध प्रविधि

इकाई–1: अनुसंधान का स्वरूप, अवधारणा और उसके विविध क्षेत्र, अनुसंधान का प्रयोजन,अनुसंधान तथा आलोचना।

इकाई–2 : अनुसंधान के प्रकार और उसकी पद्धतियां : ऐतिहासिक, भाषा वैज्ञानिक एव शैली वैज्ञानिक, तुलनात्मक, समाजशास्त्रीय, अन्तरानुशासनिक, मनोवैज्ञानिक, काव्यशास्त्रीय, पाठानुसंधान एवं पाठालोचन।

इकाई–3: साहित्यिक अनुसंधान की मूल–दृष्टि और उसके तत्व।

इकाई–4: अनुसंधान के चरण : विषय चयन, विषय की रूपरेखा (अध्याय योजना), सामग्री– संकलन और उसका उपयोग, शोध–साहित्य–समीक्षा।

इकाई–5: शोधकार्य की प्राक्कल्पना, उद्देश्य और महत्व।

इकाई–6: शोध–प्रबन्ध लेखन : शोध–प्रबन्ध की आंगिक व्यवस्था, सामग्री का विभाजन तथा संयोजन, उद्धरण तथा सन्दर्भ–उल्लेख, उपसंहार, परिशिष्ट, ग्रंथ–सूची एवं अनुक्रमणिका ।

खण्ड – ब : हिन्दी

इकाई–1: हिन्दी साहित्य का इतिहास : हिन्दी साहित्य का इतिहास–दर्शन, हिन्दी साहित्य के इतिहास–लेखन की पद्धतियॉं; हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहास–ग्रन्थ, हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक केन्द्र, संस्थाऍं एवं पत्र–पत्रिकाऍं, हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन और नामकरण; ***आदिकाल* :** हिन्दी साहित्य का आरम्भ, रासो–साहित्य, आदिकालीन हिन्दी का जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, आरम्भिक गद्य तथा लौकिक साहित्य; ***मध्यकाल*** : भक्ति–आन्दोलन के उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण, प्रमुख निर्गुण एवं सगुण सम्प्रदाय, वैष्णव भक्ति की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार सन्त, प्रमुख सम्प्रदाय और आचार्य, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तःप्रादेशिक वैशिष्ट्य; हिन्दी सन्त काव्य : सन्त काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण सन्त कवि–कबीर, नानक, दादू, रैदास, सन्त काव्य की प्रमुख विशेषताऍं, भारतीय धर्म साधना में सन्त कवियों का स्थान; ***हिन्दी सूफी काव्य* :** सूफी काव्य का वैचारिक आधार, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य–मुल्ला दाऊद (चन्दायन), कुतुबन (मृगावती), मंझन (मधुमालती), मलिक मुहम्मद जायसी (पद्मावत), सूफी प्रेमाख्यानकों का स्वरूप, हिन्दी सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताऍं; ***हिन्दी कृष्ण काव्य* :** विविध सम्प्रदाय, वल्लभ सम्प्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कृष्ण–भक्त कवि और काव्य, सूरदास (सूरसागर), नन्ददास (रास पंचाध्यायी), भ्रमरगीत परम्परा, गीति परम्परा और हिन्दी कृष्ण काव्य–मीरा और रसखान; ***हिन्दी राम काव्य* :** विविध सम्प्रदाय, राम भक्ति शाखा के कवि और काव्य, तुलसीदास की प्रमुख कृतियॉं, काव्य रूप और उनका महत्व; ***रीति काल* :** सामाजिक–सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, रीतिकाव्य के मूल स्रोत, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृतियॉं, रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व, रीतिमुक्त काव्यधारा, रीतिकाल के प्रमुख कवि : केशवदास,मतिराम, भूषण, बिहारीलाल, देव, घनानन्द और पद्माकर, रीतिकाव्य में लोकजीवन; ***आधुनिक काल* :** हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास; ***भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य* :** 1857 की राज्य क्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उनका मण्डल, 19 वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध की हिन्दी पत्रकारिता; ***द्विवेदी युग* :** महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिन्दी नवजागरण और सरस्वती, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, स्वच्छन्दतावाद और उसके प्रमुख कवि; छायावाद और उसके बाद **:** छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताऍं, छायावाद के प्रमुख कवि : प्रसाद, निराला, पन्त और महादेवी, उत्तर छायावादी काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रगतिशील काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रयोगवाद और नई कविता, नई कविता के कवि, समकालीन कविता समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता; हिन्दी साहित्य की रचनात्मक गद्य विधाऍं; ***हिन्दी उपन्यास*** : प्रेमचन्द पूर्व उपन्यास, प्रेमचन्द और उनका युग, प्रेमचन्द के परवर्ती प्रमुख उपन्यासकार – जैनेन्द्र, अज्ञेय, हजारी प्रसाद द्विवेदी, यशपाल, अमृतलाल नागर, फणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म साहनी, कृष्णा सोबती, निर्मल वर्मा, श्री नरेश मेहता, श्रीलाल शुक्ल, राही मासूम रजा, रांगेय राघव, मन्नू भण्डारी; ***हिन्दी कहानी*** : बीसवीं सदी की हिन्दी कहानी और प्रमुख कहानी आन्दोलन; ***हिन्दी नाटक*** : हिन्दी नाटक और रंगमंच, विकास के चरण और प्रमुख नाट्यकृतियॉं : अंधेर नगरी,चन्द्रगुप्त, अंधायुग, आधे–अधूरे, हिन्दी एकांकी; ***हिन्दी निबन्ध*** : हिन्दी निबन्ध के प्रकार और प्रमुख

निबन्धकार – बाल कृष्ण भट्ट, महावीर प्रसाद द्विवेदी, रामचन्द्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, अज्ञेय, मुक्तिबोध, कुबेरनाथ राय, विद्यानिवास मिश्र, हरिशंकर परसाई; ***हिन्दी की अन्य गद्य विधाएँ*** : रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा–साहित्य, आत्मकथा, जीवनी और रिपोर्ताज।

इकाई– 2: भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा और नागरी लिपि : ***भाषा विज्ञान*** **:** भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र, भाषा विज्ञान और व्याकरण, भारतीय और पाश्चात्य भाषा विज्ञान का इतिहास, आधुनिक भाषा विज्ञान के प्रमुख सम्प्रदाय (स्कूल), भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाएँ, भाषा भूगोल, और समाज भाषा विज्ञान, भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ, शब्द की परिभाषा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, भाषा की परिवर्तनशीलता और उसके कारण, ध्वनि, ध्वनियों की उत्पत्ति और वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन उसके कारण और दिशाएँ, अर्थ–परिवर्तन, उसके कारण और दिशाएँ, पद विज्ञान, शब्द और पद में भेद, पद रचना की पद्धतियाँ, वाक्य विज्ञान परिभाषा, वाक्य संरचना और वर्गीकरण; ***हिन्दी भाषा*** : हिन्दी भाषा का स्वरूप और विकास, हिन्दी भाषा की वर्तमान स्थिति और उसकी समस्याएँ, हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण और विकास, हिन्दी भाषा में प्रयुक्त विदेशी ध्वनियों में परिवर्तन की प्रवृत्तियाँ, संज्ञापदों की रचना, परसर्गों का विकास, लिंग और वचन, विशेषण, सर्वनाम, क्रिया एवं अव्यय पदों की रचना तथा विकास, उपसर्गों तथा प्रत्ययों का उद्भव तथा विकास, हिन्दी का मानकीकरण और आधुनिकीकरण, भारतीय भाषाएँ और हिन्दी; ***नागरी लिपि*** **:** लिपि की परिभाषा, भाषा और लिपि का सम्बन्ध, लिपि की विभिन्न अवस्थाएँ, ***देवनागरी लिपि*** : उद्भव, विकास, वैज्ञानिकता, और सुधार के प्रयत्न।

इकाई– 3: साहित्यशास्त्र : ***भारतीय काव्यशास्त्र*** : काव्य के प्रयोजन, लक्षण, स्वरूप और भेद, भारतीय काव्य सम्प्रदाय– रस, रीति, अलंकार, वक्रोक्ति, ध्वनि, औचित्य, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण, शब्द शक्तियाँ, गुण व दोष; ***नाट्य*** : नाटक के तत्व – वस्तु, नेता, रस तथा उसका विवेचन, रूपक, रंगशाला; ***पाश्चात्य काव्यशास्त्र*** : अरस्तू की काव्यविषयक मान्यताएं – अनुकरण सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त, त्रासदी के तत्व; *लोंजाइनस, टी0एस0 इलिएट* : निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा; शास्त्रीयतावाद एवं स्वच्छन्दतावाद, अभिव्यंजनावाद, यथार्थवाद, अस्तित्ववाद, मार्क्सवादी सौन्दर्यशास्त्र, मनोविश्लेषणवाद, नयी समीक्षा की आधारभूत मान्यताएं, उत्तर आधुनिकता, उत्तर संरचनावाद, विखण्डनवाद; ***हिन्दी आलोचना*** **:** हिन्दी आलोचना : स्वरूप और विकास, प्रमुख आलोचक – महावीर प्रसाद द्विवदी, रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, डॉ0 नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, रामस्वरूप चतुर्वेदी।